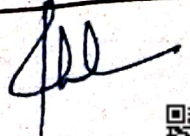


29/10/14

पत्रावली द्वारा प्रकाशित होने के
 क्रम में विचार के लिए डाकघर
 के जेब द्वारा प्राचीन रूप से जारी
 अधिकांश उपस्थिति तथा
 प्राचीनता का एक परिचय है
 उपस्थिति का सुना गया/प्राचीन
 की एक प्र.पत्र एक एक पत्रावली
 का उपयोग किया गया जिससे
 स्वतंत्र प्रकाश के पत्रावली
 का उपयोग के लिए रूप से
 होल डी.के.प्राचीन के उर बाउ
 पत्र के पत्रकारिता के लिए
 दिनांक 16/12/2014 के आदेश
 प्रकृत प्राप्त था जिस आदेश
 पर इस न्याय के द्वारा दिनांक
 29/4/2016 के एक पत्रावली जारी
 विशेष पाठ्य वाउ पत्र के

डा. 1




व्यावसायिक विवादनाम अगुवरी डीपी व डप

म न्यायालय

संख्या ५५/२०२०

प्रा. पत्र ०१२१३

संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		<p>पत्रकार व्योमिता जिजा जा- बुणा डे इकाके फरवरी २०१९ द्वारा इस व्यावसायिक डिके २१/५/२०१६ को विना सिद्धी कारण उपस्थित गरी डेके के कारण एक पत्रीय कार्यवाही द्वारा के जारी डेके डे उपस्थित कार्यवाही के पूर्व डिके १०/२/२०१६ शरिफे डेके डेके जारी किया गया। डिके १ गार पुत्रका एक पत्रीय कार्यवाही आज्ञा के जारी डेके डे एक पत्रीय कार्यवाही डेके के जारी जाने के परवा सुनवाई डेके २२ तारीख डेकेके नियत किये जाने बावजूद भी प्राप्ति जाग डेकेके डेकेके उपस्थित नही डेकेके डेकेके पर विशेष अज्ञात डेकेके डिकेके ५/६/२०१८ को प्रा. डिकेके डेकेके डेकेके डेकेके डेकेके डेकेके डेकेके रिपोर्ट डिकेके ३०/०१/२०१९ एवं डिकेके २२/३/२०१९ डेकेके डेकेके पर जाकर डेकेकेके रिपोर्ट लीया डेकेके डेकेके डेकेकेके डेकेकेके डेकेके पर डेकेकेके डेकेकेके डेकेके पर डेकेकेके डेकेकेके डेकेके डेकेके डेकेकेके डेकेकेके</p>	

उपस्थित अधिकारी
 जिला जयपुर

फर्द अहकाम

रयावसी आबनाम नगरी डेवी परम सादर

नाम न्यायालय

केस संख्या

५५/२०२०

प्रा.पत्र ०९८/१३ सपी

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष
		<p>कोई शिकायत के लिए रिपोर्ट ले कर फरद के समय को ही सापेक्ष प्रमाण नहीं की है। लक्ष्य का प्रमाण बाउ सुनवाई दिनांक १२/२/२०२० को अग्रिम क्रम को डिफेंडेंट को पत्र के १० गज पश्चात् हस्तगत प्रा. पत्र प्रकृत फरद जाया है इसके प्राचीन की ओर को कंपनी अधिनियम के अन्तर्गत को युष्मा-युष्मा प्रकृत, मार्ग के अन्तर्गत उल्लेखित नहीं किया है प्राचीन की दिनांक २९/५/२०१६ प्रा. पत्र कार्यवाही को के पश्चात् प्रकरण उपर १० गज तक विचाराधीन रहे। लक्ष्य प्राचीन की अधिनियम के विचारण के विभिन्न कतरे पर नहीं है। फरद के प्राचीन को प्रा. पत्र अदालत को ही को अन्तर्गत विचाराधीन प्रा. पत्र ०९८/१३ CPC सपी का दिनांक १५/११/२०१६ का अन्तर्गत फरद जाया प्रमाण प्रमाण द्वारा ही प्रमाण प्रमाण को ही प्रमाण प्रमाण ही</p>	<p>प्र मु र प्र 1. 2. 3.</p>

उपरोक्त आदेश पर
जिला जयपुर